शिक्षा विद्यापीठ में डॉ. अनुराज शंकर हावर्ड मेडिकल स्कूल बोस्टन, अमेरिका का व्याख्यान

शिक्षा विद्यापीठ में दिनांक 23 अगस्त 2015 को एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान में डॉ. अनुराज शंकर (हावर्ड मेडिकल स्कूल बोस्टन, अमेरिका) ने मुख्य वक्तव्य दिया। डॉ. शंकर भारतीय मूल के चिकित्साविद हैं जिनका जन्म और शिक्षा– दीक्षा अमेरिका में ही हुई है। उनका मुख्य योगदान सामुदायिक–स्वास्थ्य और बालविकास के क्षेत्र में है।

डॉ. शंकर ने अपने वक्तव्य का प्रारम्भ इस स्थापना के साथ किया कि समकालीन परिवेश संभावनाओं से भरा हुआ है। प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमता व योग्यता के अनुसार

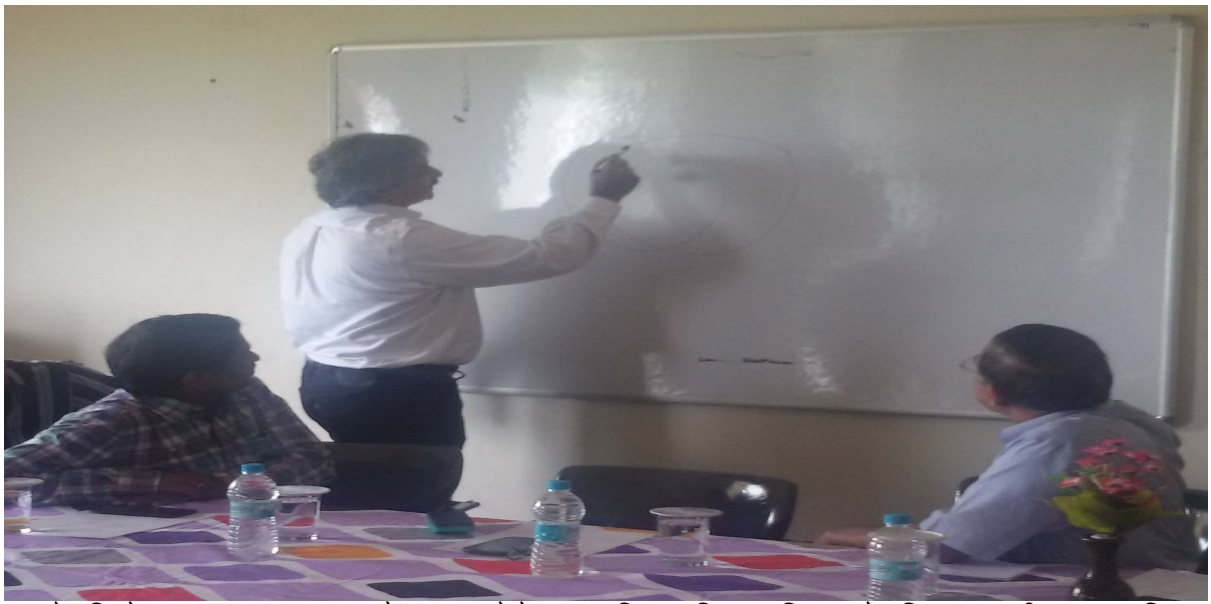

अपने लिये रास्ता बना रहा है। उन्होंने बल दिया कि व्यक्ति को विकास की इस प्रक्रिया

में सामाजिक सांस्कृतिक दबाव का भी सामना करना पड़ता है। अमेरिकी समाज के संदर्भ में नृजातीयता और रंग व्यक्तियों को अवसर से वंचित करते हैं। इसकी व्याख्या करते हुए डॉ. शंकर ने कहा कि इस प्रकार के आग्रहों का मूल जैवकीय नहीं है बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक है।

अपने मूल ज्ञानानुशासन चिकित्सा विज्ञान की सीमा का उल्लेख करते हुये डॉ. शंकर ने कहा कि चिकित्सा विज्ञान में केवल भौतिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर ध्यान दिया जाता है। मनो–सामाजिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान दिया जाना जरूरी है। उन्होंने बल दिया

कि हमें एक ऐसे समाज वैज्ञानिक हस्तक्षेप की जरूरत है जो असमानता को कम करने और समान अवसर उपलब्ध कराने का माहौल तैयार करें। इस प्रकार के माहौल के द्वारा व्यक्ति को रचनात्मक कार्य करने का अवसर उपलब्ध कराया जा सकता है। उसकी संभावनाओं को स्वाभाविक तरीके से प्रफुल्लित करने का अवसर दिया जा सकता है। इस सबके साथ उसे ऐसा मनो–सामाजिक सहयोग प्रदान किया जाये जिसके द्वारा वह अपनी असफलताओं से सीख सके और स्वंय सोचने तथा सीखने के लिए तत्पर हो सके।

उन्होंने वक्तव्य के उपरांत विद्यार्थियों के साथ चर्चा भी की। विद्यार्थियों ने हावर्ड विश्वविद्यालय में शिक्षण और शोध माहौल के विषय में अपनी जिज्ञासाएं रखी। डॉ. शंकर ने इस चर्चा के दौरान बताया कि यह आवश्यक नहीं है कि हावर्ड का प्रत्येक विद्यार्थी असाधारण हो बल्कि वहां का प्रत्येक विद्यार्थी सक्रिय है और कुछ नया करने के लिए अभिप्रेरित हैं।

शिक्षा विभाग के अधिष्ठाता प्रो. अरबिंद झा ने डॉ. शंकर की इस बात के समांतर महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को भी परिश्रमी, सकारात्मक दृष्टि से युक्त और नयी पहल करने के लिये अभिप्रेरित बताया। डॉ. अनुराज शंकर द्वारा हिंदी भाषा में संबोधित करने में समस्या को ध्यान में रखते हुए शिक्षा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. अरबिन्द कुमार झा ने पहल करते हुये सेतु का काम किया और डॉ. अनुराज के संबोधन का आशु–अनुवादक के रूप में व्याख्या करते हुए हिंदीभाषी विद्यार्थियों के लिए सुगम बनाया।

प्रो. अरबिन्द कुमार झा और डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर ने इस व्याख्यान के सफल आयोजन का मार्गदर्शन किया। शिक्षा विद्यापीठ के संकाय सदस्य ऋषभ कुमार मिश्र ने शिक्षा विभाग के 'कुशल' मंच के अंतर्गत इस व्याख्यान का समन्वयन किया। मनोविज्ञान विभाग विभाग के प्रभारी डॉ. अरूण प्रताप सिंह और प्रबन्धन विभाग के संकाय सदस्य श्री मनोज चौधरी, शिक्षा विद्यापीठ के संकाय सदस्य धर्मेन्द्र शंभरकर ने इस आयोजन के समन्वयन में सहयोग किया। इस विशेष व्याख्यान में महात्मा गांधी अंतराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के संचार एवं मीडिया केंद्र के निदेशक प्रो. अनिल राय, सावंगी मेडिकल कॉलेज से डॉ. बेहरे, डॉ. काजी सैयद जहीरूद्दीन और डॉ. अभय गव्हाने उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के विभिन्न विद्यापीठों के विद्यार्थी एवं शोधार्थी भी उपस्थिति रहे।